अथाप्रयुक्ता न सन्ति। सन्ति चाप्रयुक्ताश्चेति विप्रतिषिद्धम् &c. (Compare **अप्रयोग.**) According to the *Kávyaprak.*, being **अप्रयुक्त** is one of the seventeen, accord. to the *Sáhityad.*, one of the thirteen defects of a word (see **पददोष**), which must be avoided in composition; e. g. in the sentence: **यथायं दारुणाचारः सर्वदैव विभाव्यते। तथा मन्ये दैवतो ऽस्य पिशाचो राक्षसो ऽथ वा,** or in the sentence: **भाति पद्मः सरोवरे,** the *masc.* forms **दैवतः** and **पद्मः** are **अप्रयुक्त**; or as the *Kávyapr.* says, although the masc. of **दैवत** is grammatically correct, no body uses the word in this gender: **अत्र दैवतशब्दो दैवतानि पुंसि वेति पुंस्याम्नातो ऽपि न केनचित्प्रयुज्यते.** E. **अ** neg. and **प्रयुक्त.**

अप्रयुक्तता f. (**-ता**) or **अप्रयुक्तत्व** n. (**त्वम्**) [1]The not being applied. [2]The being unusual or strange; one of the defects of a word in composition; see the preceding and comp. **अप्रयोग.** E. **अप्रयुक्त,** taddh. aff. **तल्** or **त्व.**

अप्रयुच्छत् Tatpur. m. f. n. (**-न्-न्ती-त्**) (ved.) Attentive, assiduous, vigilant; e. g. in the *Vájas.*: **स नः स्योनः सुयजा यजेह देवेभ्यो हव्यं सदमप्रयुच्छन्त्स्वाहा** (scil. **अग्ने**); or **अयमग्निर्वीरतमो वयोधाः सहस्रियो द्योततामप्रयुच्छन्.** E. **अ** neg. and **प्रयुच्छत्.**

अप्रयुत Tatpur. m. f. n. (**-तः-ता-तम्**) (ved.) Free from (scil. defects); e. g. in the *Rigv.*: **त्वं विष्णो सुमतिं विश्वजन्यामप्रयुतामेवयावो मतिं दाः** (*Sáyańa*: **अप्रयुतां दोषैर्वियुक्ताम्**). E. **अ** neg. and **प्रयुत.**

अप्रयुत्वन् Tatpur. m. f. n. (**-त्वा-त्वा-त्व**) (ved.) Not separated, joined, combined; e. g. in the *Rigv.*: **पर्षि तोकं तनयं पर्तृभिष्ट्वमदब्धैरप्रयुत्वभिः** (*Sáyańa*: **अप्रयुत्वभिः। अपृथग्भूतैः संहतैः**:). E. **अ** neg. and **प्रयुत्वन्.**

अप्रयोग Tatpur. m. (**-गः**) [1]Non-application, non-use; e. g. in the *Mimánsá S.*: **अप्राप्ता चानुपपत्तिः प्रयोगे हि विरोधः स्याच्छब्दार्थस्त्वप्रयोगभूतस्तस्मादुपपद्येत**; or in *Pánini*'s *S.*: **संभावने ऽलमिति चेत्सिद्धाप्रयोगे** (i. e. if the word **अलम्** is not used in the sentence; *Káśiká*: **सिद्धाप्रयोग इत्यलमो विशेषणम्। सिद्धश्चेदलमो ऽप्रयोगः**:). [2]Wrong application (as of an argument, i. e. arguing, or speaking wrongly); e. g. in the *Nyáya S.*: **न व्याघातादप्रयोगः.** [3]Strangeness, unusualness (as of a word), an unusual expression (although it be grammatically correct); e. g. in the *Vártt.* to *Pánini*: **अप्रयोगः प्रयोगान्यत्वात्**; *Patanjali*: **अप्रयोगः खल्वप्येषां शब्दानां न्याय्यः** (comp. the words **ऊष** &c. in the instance s. v. **अप्रयुक्त** 3.) **। कुतः। प्रयोगान्यत्वात्। यदेतेषां शब्दानामर्थे ऽन्यान्प्रयुञ्जते। तद्यथा। ऊषेत्यस्य शब्दस्यार्थे क्व यूयमुषिताः। तेरेत्यस्यार्थे क्व यूयं तीर्णाः। चक्रेत्यस्यार्थे क्व यूयं कृतवन्तः। पेचेत्यस्यार्थे क्व यूयं पक्ववन्त इति.** Comp. **अप्रयुक्तता.** E. **अ** neg. or deter. and **प्रयोग.**

अप्रयोजक I. Tatpur. m. f. n. (**-जकः-जिका-जकम्**) Not causing to be applicable or to exist, not effecting the applicability or existence of; e. g. in the *Yoga Sútra*: **निमित्तमप्रयोजकं प्रकृतीनां** &c. E. **अ** neg. and **प्रयोजक.**

II. Bahuvr. m. f. n. (**-जकः-जका-जकम्**) Not having a sufficient cause for being applied, not being properly applicable, useless, irrelevant; e. g. *Mallinátha* in his comm. on the *Kirát.*: **समर्थनीयप्रधानोपसर्जनभावस्त्वप्रयोजक इति व्यक्तविवेककारः**; or in the *Kańthábharańa*: **यदप्रयोजकं यच्च गतार्थं व्यर्थमेव वा** (viz. a word) **। तस्यापि क्वापि निर्दोषः प्रयोगो दृश्यते यथा**; or in the *Jaiminiya-nyáyam.*: **न च क्रमेणैव तत्सिद्धेर्लिङ्गमप्रयोजकमिति वाच्यम्** &c.; or in the *Dattakamim.*: **नन्विदमप्रयोजकं यत्पिण्ड ऋक्थाभावादपुत्रत्वमिति.** E. **अ** priv. and **प्रयोजक.**

अप्रयोजकत्व n. (**-त्वम्**) The being without a sufficient cause, the not being properly applicable, irrelevancy, uselessness; e. g. in the *Mimánsá S.*: **अप्रयोजकत्वादेकस्मात्क्रियेरञ्छेषस्य गुणभूतत्वात्** (*Śabara*: **अप्रयोजकत्वात्। अकस्मात्क्रियेरन्। अप्रयोजकानि शेषकार्याणि हविषाम्**); or *Vijnánabh.* on a *Sánkhya S.*: **महदादिकं सकर्तृकं कार्यत्वादित्याद्यनुमानेष्वप्रयोजकत्वेन व्याप्यत्वासिद्ध्या नेश्वरे ऽनुमानम्**; or *Viśwan.* on a *Nyáya S.*: **यत्र नाप्रयोजकत्वाद्याशङ्का तत्र नाप्येवं**; or the *Siddhánta-mukt.*: **न च प्रत्यभिज्ञां प्रति तत्तासंस्कारस्य हेतुत्वेन प्रत्यभिज्ञायाः संस्कारजन्यत्वेन स्मृतित्वापत्तिरिति वाच्यम्। अप्रयोजकत्वात्.** E. **अप्रयोजक,** taddh. aff. **त्व.**

अप्रलम्ब Tatpur. m. f. n. (**-म्बः-म्बा-म्बम्**) Quick, expeditious. E. **अ** neg. and **प्रलम्ब.**

अप्रवर्ग्य Bahuvr. m. f. n. (**-र्ग्यः-र्ग्या-र्ग्यम्**) (ved.) Without the **प्रवर्ग्य** q. v., as a sacrifice; e. g. *Śatapath.*: **यदपशिरा अप्रवर्ग्यो ऽथ केनास्याग्निहोत्रं शीर्षण्वद्भवति.** E. **अ** priv. and **प्रवर्ग्य.**

अप्रवर्तक Tatpur. m. f. n. (**-र्तकः-र्तिका-र्तकम्**) [1]Abstaining from action, inert. [2]Not exciting to action. E. **अ** neg. and **प्रवर्तक.**

अप्रवर्तन Tatpur. n. (**-नम्**) [1]Abstaining from action, not engaging in. [2]Not exciting to action. E. **अ** neg. and **प्रवर्तन.**

अप्रवर्तिन् Tatpur. m. f. n. (**-र्ती-र्तिनी-र्ति**) Not coming forth, not proceeding; e. g. in the *Bŕihadár. Upan.*: **स होवाच गार्ग्यो य एवायमाकाशे पुरुष एतमेवाहं ब्रह्मोपास इति स होवाचाजातशत्रुर्मा मैतस्मिन्संवदिष्ठाः पूर्णमप्रवर्तीति वा** (*Sankara*: **अप्रवर्तिविशेषणफलं नास्यास्माल्लोकात्प्रजोद्वर्तत इति**); or in the *Chhánd. Upan.*: **अयं वाव स यो ऽयमन्तर्हृदय आकाशस्तदेतत्पूर्णमप्रवर्ति पूर्णमप्रवर्तिनीं श्रियं लभते य एवं वेद** (*Sankara*: **अप्रवर्ति न कुतश्चित्प्रवर्तितुं शीलमस्येत्यप्रवर्ति तदनुच्छित्तिधर्मकम्। .... पूर्णामप्रवर्तिनीमनुच्छेदात्मिकां श्रियम्**). E. **अ** neg. and **प्रवर्तिन्.**

अप्रवीण Tatpur. m. f. n. (**-णः-णा-णम्**) Unskilful; e. g. in *Patanjali* (on *Pánini*): **दृश्यन्ते हि कृतप्रयत्नाश्चाप्रवीणा अकृतप्रयत्नाश्च प्रवीणाः**; or *Mitáksh.* (on *Yájnav.*): **अप्रवीणप्राजकप्रेरितैर्दंष्ट्रिभिः शृङ्गिभिर्गवादिभिर्बध्यमानं** &c. E. **अ** neg. and **प्रवीण.**

अप्रवीत Tatpur. m. f. (**-तः-ता**) (ved.) [1]Not approaching (as in copulation); e. g. *Rigv.*: **यदप्रवीता दधते ह गर्भम्** (*Sáyańa*: **यदं त्वामप्रवीता अनुपगता यजमाना गर्भं त्वज्जननहेतुमरणिं दधते**). [2]Not approached (as in copulation), not become pregnant; e. g. *Śatapath.*: **यदि वशां न विन्देदपि यैव का चाप्रवीता स्यात्सर्वा ह्येव वशाप्रवीता** (*Sáyańa*: **अप्रवीता .... अप्रजाता अगृहीतगर्भेत्यर्थः**:). E. **अ** neg. and **प्रवीत.**

अप्रवृत्त Tatpur. m. f. n. (**-त्तः-त्ता-त्तम्**) Not begun, not taken place, not come into existence; e. g. in *Mádhava*'s *Jaim.-nyáyam.*: **प्राप्तस्य प्रवृत्तिरतीतेति न तन्निवारणं शक्यम्। अप्राप्तस्य बाधाविषयत्वेनावस्थानमेव नास्ति। तस्मान्न युक्तो बाध इति चेत् ॥ मैवम्। बुद्ध्या विषयीकृतस्य वारयितुं शक्यत्वात्। न चैतदत्यन्तं प्रवृत्तम्। अनुष्ठानरूपफलपर्यवसानाभावात्। नाप्यत्यन्तमप्रवृत्तम्। तद्बुद्धेरुत्पन्नत्वात्** &c.; or **फलं विधेयम् .... इति चेत् ॥ मैवम्। अप्रवृत्तप्रवर्तनं हि वि-**